इसलिए , उल्लू अपने मित्रों से पैसे उधार मांग कर लाया और समुद्री चिड़िया अपने कीमती गहने ले कर आई । व्यापार करने के लिए दोनों ने एक दूर का टापू चुना था । इसलिए दोनों एक जहाज में बैठकर , दूर के उस टाप की ओर चल पड़े । लेकिन , बदकिस्मती से उनका जहाज डूब गया । उल्लू और समुद्री चिड़िया की जान तो बच गई , लेकिन उनके सब पैसे और जेवर समुद्र में डूब गए । उस दिन से , उल्लू केवल रात में ही बाहर निकलता है , क्योंकि दिन में उसे अपने लेनदारों से डर लगता है । दूसरी तरफ उस दिन से ही समुद्री चिड़िया , समुद्र के ऊपर उड़ती रहती है , और समुद्र में खोए हुए अपने गहने ढूंढती है । बहुत पहले की बात है , एक राजा का अमर सिंह नामक एक बहादुर बेटा था । एक दिन राजा को विदेश जाना पड़ा । जाने से पहले उसने अपने बेटे को चाबियों का एक गुच्छा देते हुए कहा - “ बेटे , जो दरवाज़ा सुनहरी चाबियों से मिलता है